हिंदी विभाग
वर्द्धमान विश्वविद्यालय
DEPARTMENT OF HINDI
THE UNIVERSITY OF BURDWAN

SYLLABUS

M.A. IN HINDI

To be effective from the Examination 2020

एम० ए० पाठ्यक्रम
शिक्षा वर्ष 2020 से प्रारंभ

Department of Hindi
The University of Burdwan
Proposed Post Graduate (M.A.) Syllabus for the Examination 2020

M.A. in Hindi							
Course No	**Course Status and Type**	**Course Title**	**Credit**	**Pattern of Teaching learning (hours per week)**			**Marks**
				L	**T**	**P**	
First Semester [All courses are Departmental Core Courses and Compulsory]							
HIN-101	Core /TH	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल (Hindi Sahitya ka itihas : Aadikaal aur madhyakaal)	5	5	0	0	40+10=50
HIN-102	Core /TH	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (Hindi Sahitya ka itihaas : Aadhunik kaal)	5	5	0	0	40+10=50
HIN-103	Core /TH	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास (Bhasha vigyan aur Hindi bhasha ka vikas)	5	5	0	0	40+10=50
HIN-104	Core/ TH	हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ (Hindi gadya ki vividh vidhayen)	5	5	0	0	40+10=50
HIN-105	Core/ TH	हिन्दी पत्रकारिता (Hindi patrakarita)	5	5	0	0	40+10=50
		Semester I Total	**25**				**250**

Second Semester [All courses are Departmental Core Courses and Compulsory]							
HIN 201	Core/ TH	भारतीय और पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत (Bhartiya aur pashchatya kavya siddhanta)	5	5	0	0	40+10=50
HIN 202	Core/ TH	हिंदी आलोचना (Hindi aalochana)	5	5	0	0	40+10=50
HIN 203	Core/ TH	अनुवाद विज्ञान (Anuvaad vigyaan)	5	5	0	0	40+10=50
HIN 204	Core/ TH	नाटक और रंगमंच (Natak aur Rangmanch)	5	5	0	0	40+10=50
HIN 205	Core/ TH	मध्यकालीन काव्य (Madhyakalin kavya)	5	5	0	0	40+10=50
		Semester II Total	**25**				**250**
Third Semester [Students have to take 2 Compulsory Core Courses, 2 Major Electives (HIN 303A/B/C/D and HIN 304 A/B/C/D) and 1 Interdisciplinary Elective from other Departments/ SWAYAM Platform]							
HIN301	Core/TH	आधुनिक काव्य –I (Aadhunik kavya- I)	5	5	0	0	40+10=50
HIN302	Core/TH	आधुनिक काव्य – II (Aadhunik kavya – II)	5	5	0	0	40+10=50
HIN303 A	Major Elective/ TH	जयशंकर प्रसाद (Jay Shankar Prasad)	5	5	0	0	40+10=50
HIN303 B		सुमित्रानंदन पंत (Sumitra Nandan Pant)	5	5	0	0	40+10=50

HIN303 C		महादेवी वर्मा (Mahadevi Verma)	5	5	0	0	40+10=50
HIN303 D		सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (Suryakant tripathi Nirala)	5	5	0	0	40+10=50
HIN304 A	Major Elective/ TH	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (Bhartendu Harischandra)	5	5	0	0	40+10=50
HIN304 B		प्रेमचन्द (Premchand)	5	5	0	0	40+10=50
HIN304 C		राहुल सांकृत्यायन (Rahul Sankrityayan)	5	5	0	0	40+10=50
HIN304 D		फणीश्वर नाथ रेणु (Fanishwar Nath Renu)	5	5	0	0	40+10=50
HIN305 A	Inter disciplinary Elective/TH	(हिन्दी साहित्य अ) (Hindi Sahitya A)	4	4	0	0	40+10=50
HIN305 B		हिन्दी साहित्य ब (Hindi Sahitya B)	4	4	0	0	40+10=50
HIN305 C		(हिन्दी साहित्य स) (Hindi Sahitya C)	4	4	0	0	40+10=50
HIN305 D		हिन्दी साहित्य द (Hindi Sahitya D)	4	4	0	0	40+10=50
		Semester III Total	**24**				**250**
Fourth Semester [Students have to take 3 Compulsory Core Courses (HIN-401, HIN-402, HIN-405), 2 Major Electives courses {Either HIN- 403A /B/C /D and in case of HIN-404 any one from either A / B/C/ or D} and 1 Compulsory Community Engagement course (HIN-400)]							
HIN400	Communiy Engagement	Community Engagement Course/	2	0	0	2	20+5=25

	Course / PRACTICAL	Educational/ Litrery Tour सामाजिक कार्य /शैक्षणिक /साहित्यिक यात्रा					
HIN401	Core/TH	हिन्दी उपन्यास : पृष्ठभूमि और पाठ (Hindi upanyas : Pristhabhumi aur path)	5	5	0	0	40+10=50
HIN402	Core/TH	हिन्दी कहानी : पृष्ठभूमि और पाठ (Hindi kahaani : Pristhabhumi aur path)	5	5	0	0	40+10=50
HIN403 A	Major Elective/TH	समकालीन महिला कहानीकार Samkaaleen Mahila Kahanikaar	5	5	0	0	40+10=50
HIN403 B		समकालीन कविता (Samkaaleen kavita)	5	5	0	0	40+10=50
HIN403 C		आदिवासी विमर्श (Adivasi Vimarsh)	5	5	0	0	40+10=50
HIN403 D		समकालीन उपन्यास (Samkaaleen Upanyaas)	5	5	0	0	40+10=50
HIN404 A	Major Elective/ PR	अज्ञेय (AJNEYA)	5	0	0	5	40+10=50
HIN404 B		ज़ैनेंद्र (Jainendra)	5	0	0	5	40+10=50
HIN404 C		यशपाल (Yashpal)	5	0	0	5	40+10=50
HIN404 D		शिवप्रसाद सिंह (Shivprasad Singh)	5	0	0	5	40+10=50
HIN405	Core/PR	परियोजना कार्य (Project Work Dessertation)	5	2	0	3	40+10=50
		Semester IV Total	**27**				**275**
Grand Total (For 4 Semesters)			**101**				**1025**

FIRST SEMESTER

PAPER: HIN 101 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल

साहित्य का इतिहास-दर्शन: हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास, हिन्दी साहित्येतिहास की लेखन पद्धतियाँ, काल-विभाजन एवं नामकरण की समस्या, हिन्दी साहित्य के इतिहास की पुनर्लेखन की समस्या।

आदिकाल : नामकरण की समस्या, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ।
सिद्ध, नाथ, जैन और रासो साहित्य: परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।
अन्य प्रमुख कवि और प्रमुख काव्य : सामान्य परिचय

पूर्वमध्यकाल (भक्तिकाल) : भक्ति-आंदोलन का अखिल-भारतीय स्वरूप और उनका अन्त: प्रादेशिक वैशिष्टय। भक्ति- आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

संतकाव्य, सूफीकाव्य, कृष्ण-भक्तिकाव्य और रामभक्ति काव्य : वैचारिक आधार, परंपरा, मुख्य प्रवृतियाँ: प्रमुख कवि उनका काव्य।

उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा। रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य :- मुख्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य। रीतिकाल की अन्य साहित्यिक धाराएँ : संक्षिप्त परिचय।

PAPER: HIN 102 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

रेनेसाँ, नवजागरण की अवधारणा, हिन्दी नवजागरण, बंगाल का नवजागरण, नवजागरण की प्रवृत्तियाँ । सन् सत्तावन का स्वाधीनता-संग्राम और नवजागरण। आधुनिकता की अवधारणा।

भारतेन्दु और द्विवेदी युगीन काव्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य।

स्वच्छंदतावाद और छायावाद के उदय और विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। छायावाद की मुख्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य।

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई-कविता और समकालीन कविता : वैचारिक पृष्ठभूमि, मुख्य प्रवृत्तियाँ , प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य।

हिन्दी गद्य: पृष्ठभूमि. उद्भव और विकास। भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, भारतेन्दुकालीन हिन्दी गद्य, द्विवेदीकालीन हिन्दी गद्य।

हिन्दी गद्य के विविध रूप: उद्भव और विकास; उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना, नाटक और रंगमंच, पत्रकारिता और अन्यान्य।

संदर्भ सूची-

1. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेश कुन्तल मेघ
5. साहित्य का इतिहास-दर्शन : सुमन राजे
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं) डॉ. नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृतियाँ : शिव कुमार शर्मा
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : गार्सा द तासी, अनु. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
11. हिन्दी साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी

12. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
13. छायावाद : नामवर सिंह
14. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ : नामवर सिंह
15. साहित्य और इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
16. हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा : पूर्णदास
17. हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा : रमाकांत शर्मा
18. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
19. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
20. भारतेन्दु हरिशचन्द्र : नये संदर्भ की तलाश : श्रीनारायण पाण्डेय
21. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
22. द फिलॉसफी ऑफ आर्ट-हिस्ट्री : राउटलेन एण्ड के. पॉल
23. एरोज इन द हिस्ट्री ऑफ आयडियाज : केप्रीकार्त बुक्तस
24. द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर (हिस्ट्री) : एलेन लेन
25. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुधीश पचौरी
26. भारतेन्दु और बंकिमचन्द्र : रूपा गुप्ता
27. साहित्य और विचारधारा : रूपा गुप्ता
28. हिन्दी गद्य : स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
29. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे
30. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप : सुमन राजे
31. हिन्दी गद्य का विकास : रामचन्द्र तिवारी
32. साहित्य का इतिहास दर्शन : जगदीश्वर चतुर्वेदी

PAPER: HIN 103 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास

भाषा : परिभाषा और अंग, भाषा के विविध रूप। भाषा और बोली में संबंध। संरचनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, समाज-भाषा विज्ञान तथा मनोभाषा विज्ञान।

स्वन विज्ञान और स्वनिम विज्ञान : स्वनयंत्र की संरचना, स्वनों का वर्गीकरण। स्वन-परिवर्तन के कारण। स्वन, सहस्वन और स्वनिम। स्वनिम के भेद : खण्डीय और खण्डेतर।

रूप-विज्ञान : रूप, रूपिम और सहरूप। रूपिम-विज्ञान, शब्द और पद। अर्थतत्व और संबंध तत्व। संबंध तत्व के प्रकार।

अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ । अर्थ प्रतीति के साधन, अर्थ परिवर्तन के कारण। अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ।

वाक्य विज्ञान : वाक्य रचना के आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य के निकटतम अवयव।

भाषा और लिपि : देवनागरी लिपि का उद्‌भव और विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ। हिन्दी भाषा का मानकीकरण और उसकी व्याकरणिक-विशेषताएँ।

अपभ्रंश, अवहट्‌ट और प्रारंभिक-हिन्दी का सामान्य परिचय। मध्यकालीन हिन्दी-भाषा की विशेषताएँ। मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।

उन्नीसवीं सदी के अन्तर्गत खड़ी बोली का साहित्यिक रूप में विकास। स्वाधीनता-संघर्ष के दौरान हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास। स्वतंत्र-भारत में हिन्दी का राजभाषा के रूप में विकास।

संदर्भ सूची-

1. भाषा शास्त्र की रूप रेखा : उदयनारायण तिवारी
2. भाषा एवं भाषिक : देवीशंकर दिवेदी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा की भूमिका : त्रिलोचन पाण्डेय
5. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा
6. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
7. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास/भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
8. ब्रज भाषा और खड़ी बोली का तुलनात्मक अध्ययन : कैलाशचन्द्र भाटिया
9. संरचनात्मक शैली विज्ञान : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
10. लैंग्वेज : ब्लूमफिल्ड
11. ए. कोर्स इन माडर्न लिंग्वस्टिक्स : हॉकेट
12. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
13. भारत की भाषा-समस्या : रामविलास शर्मा
14. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी : सुनीति कुमार चटर्जी
15. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : नरेश शर्मा
16. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
17. व्यावहारिक हिन्दी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और भोलानाथ तिवारी
18. मानक हिन्दी का शुद्‌धिपरक व्याकरण : रमेशचन्द्र मेहरोत्रा
19. आधुनिक भषा- विज्ञान: राजमणि शर्मा
20. भाषा विज्ञान : जीत राम पाठक
21. भाषा विज्ञान की रूपरेखा : हरीश

22. जनरल लिंग्विस्टिक्स : एन इंट्रोडकटरी सर्वे : रॉबिन्स
23. इंट्रोडक्टरी लिंग्विस्टिक्स : ब्लॉक एंड ट्रेगर
24. इनविटिशन टू लिंग्विस्टिक्स : मेरियोपेई
25. हिन्दी भाषा : रूप, उद्‌भव और विकास : हरदेव बाहरी
26. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप: राजमणि शर्मा
27. नवीन भाषा विज्ञान : तिलक सिंह
28. सैद्‌धांतिक भाषा विज्ञान : जॉन लियॉस
29. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : कपिल देव दिवेदी
30. तुलनात्मक भाषा शास्त्र : मंगलदेव शास्त्री
31. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
32. भाषा और हिंदी भाषा: डॉ. नीरज शर्मा

PAPER: HIN 104 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

हिन्दी गद्‌य की विविध विधाएँ

निबंध :

1. चिंतामणि - (भाग एक) : रामचंद्र शुक्ल

   क. श्रद्‌धा-भक्ति।
   ख. कविता क्या है।

2. अशोक के फूल : हजारीप्रसाद द्‌विवेदी

   क. अशोक के फूल।

   ख. मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।

नाटक : आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश।

आत्मकथा : मेरी जीवन यात्रा (खण्ड एक) : राहुल सांकृत्यायन

रेखाचित्र : स्मृति की रेखाऐं : महादेवी वर्मा (भक्तिन, चीनी फेरीवाला, ठकुरी बाबा , गुंगिया)।

वंयग्य : वैष्णव की फिसलन : हरिशंकर परसाई (वैष्णव की फिसलन, अकाल उत्सव, राजनीति का बँटवारा, कबीर समारोह क्यों नहीं)।

रिपोतार्ज : ऋणजल-धनजल - फणीश्वरनाथ रेणु।

द्रुतपाठ : जीवनी, डायरी, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत।

संदर्भ सूची-

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा
2. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : नन्ददुलारे वाजपेयी
3. प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
4. हिन्दी उपन्यासों पर पाश्चात्य प्रभाव : भारतभूषण अग्रवाल
5. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना : गोविंद चातक
6. साहित्य विधाओं की प्रकृति : (सं) देवीशंकर अवस्थी
7. हिन्दी की प्रमुख विधाएँ : बैजनाथ सिंहल
8. हिन्दी के रेखाचित्र : मक्खनलाल शर्मा
9. रंग दर्शन : नेमिचन्द्र जैन
10. आधुनिक हिन्दी नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश, गोविंद चातक
11. हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ : हरि मोहन
12. रामचन्द्र शुक्ल : कुसुम चतुर्वेदी और मुक्ता
13. रामचन्द्र शुक्ल : भवदेव पाण्डेय
14. प्रेमचंद : हंसराज रहबर
15. चिंतामणि भाग -1, मीमांसा, राजमल बोरा
16. हिन्दी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार : सुरेशकांत

PAPER: HIN 105 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

हिंदी पत्रकारिता

पत्रकारिता का स्वरूप, महत्त्व और विभिन्न प्रकार। साहित्यिक पत्रकारिता और उसका इतिहास।

भारतीय पत्रकारिता का उदय। हिंदी पत्रकारिता का आरंभ। नवजागरणकालीन पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। नवजागरणकाल के प्रमुख पत्र और पत्रकार। स्वतंत्रतापूर्व पत्रकारिता के आदर्श।

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता के विविध स्वरूप, प्रवृत्तियाँ, लक्ष्य और आदर्श। लघु-पत्रिका आंदोलन, पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता और स्वतंत्र पत्रकारिता।

जनतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता के दायित्व, वर्तमान पत्रकारिता की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ।

संचार क्रांति के आयाम और उसका सामाजिक प्रभाव। इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया का वैशिष्टय, संचार क्रांति और संस्कृति।

समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, दूरदर्शन,विज्ञापन और इंटरनेट।

संदर्भ सूची-

1. पत्रकारिता सिद्धांत और कला : विश्वनाथ सिंह
2. पत्रकारिता संदर्भकोश : सूर्यप्रकाश दीक्षित
3. पत्रकारिता के विविध आयाम : रामचन्द्र तिवारी
4. मीडिया लेखन कला : सूर्यप्रकाश दीक्षित
5. आधुनिक पत्रकार कला : विष्णु दत्त शुक्ल
6. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम : वेद प्रताप वैदिक
7. हिन्दी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम : सुशीला जोशी
8. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ : विनोद गोदरे
9. राष्ट्रीय नवजागरण हिन्दी पत्रकारिता : मीरा रानी बल
10. समाचार फीचर लेखन और संपादन कला : डॉ. हरिमोहन
11. संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पूरनचंद्र जोशी
12. संपादन के सिद्धांत : रामचन्द्र तिवारी
13. समाचार संकलन और लेखन : नंदकिशोर त्रिखा
14. हिन्दी के यशस्वी पत्रकार : क्षेमचन्द्र सुमन
15. संचार क्रांति की राजनीति और विचारधारा : सुभाष धूलिया
16. समाचार और प्रारूप लेखन : रामप्रकाश, दिनेश गुप्ता
17. मीडिया समग्र : जगदीश्वर चतुर्वेदी
18. भारतीय पत्रकारिता कोश (दो खंड) - विजयदत्त श्रीधर
19. सिनेमा और संस्कृति - राही मासूम रज़ा
20. सिनेमा:कल,आज,कल - विनोद भरद्वाज
21. टेलीविजन समीक्षा : सिद्धांत और व्यवहार - सुधीश पचौरी

22. उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श - सुधीश पचौरी
23. साहित्यिक पत्रकारिता - ज्योतिष जोशी

SECOND SEMESTER

PAPER: HIN 201 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

भारतीय और पाश्चात्य काव्य- सिद्धांत

भारतीय सिद्धांत

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

रस सम्प्रदाय : रस सिद्धांत, रसानुभूति की प्रक्रिया, रसानुभूति का स्वरूप, साधारणीकरण, करुण- रस का आस्वाद।
रसेतर सम्प्रदाय :अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य सम्प्रदाय; इतिहास, परिचय और स्थापनाएँ।

पाश्चात्य सिद्धांत

प्लेटो : अनुकृति।

अरस्तू : अनुकरण और विरेचन सिद्धांत्।

लोंजाइनस : उदात्त।

क्रोचे : अभिव्यंजनावाद।

मैथ्यू ऑर्नल्ड : काव्यालोचन के सिद्धांत।

सेमुअल टेलर कॉलरिज :कल्पना सिद्धांत।

आई० ए० रिचर्ड्स : मूल्य संप्रेषण तथा व्यावहारिक समीक्षा के सिद्धांत।

टी०एस० इलियट : परम्परा की अवधारणा और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ सह सम्बंध।

नयी समीक्षा के प्रमुख आलोचक और उनकी स्थापनाएँ।

संदर्भ सूची-

1. रस-मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल
2. रस-सिद्धांत : नगेन्द्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी
4. भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
5. रीति काव्य की भूमिका : नगेन्द्र
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : (सं) सावित्री सिंहा
7. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. कॉन्सेप्टस ऑफ क्रिटिसिज्म : रेनेवेलेक
10. साहित्य सिद्धांत : डब्लू. के. विम्पसेट और क्लिथन्थ ब्रुक्स
11. लिटरेरी क्रिटिसिज्म : जार्ज वॉटसन
12. ए हिस्ट्री ऑफ क्रिटिसिज्म एंड लिटरेरी टेस्ट इन यूरोप (भाग- I & II) : जार्ज सेंट्स बरी
13. ए डिक्शनरी ऑफ मार्डन क्रिटिकल टर्म्स : रॉगोर फार्गट
14. पाश्चात्य काव्य चिंतन : निर्मला जैन और कुसुम बाँठिया
15. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
16. भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह
17. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
19. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नगेन्द्र और सावित्री सिंहा
20. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन : बच्चन सिंह
21. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी
22. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन (संपादित)

PAPER: HIN 202 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

हिंदी आलोचना

हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि : रीतिकालीन, भारतेंदुयुगीन, द्विवेदीयुगीन, शुक्लयुगीन तथा शुक्लोत्तरयुगीन आलोचना।

हिंदी आलोचक : रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह तथा मैनेजर पाण्डेय।

आलोचना के भेद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, विधेयवाद, रूपवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर उपनिवेशवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

दलित विमर्श एवं स्त्री विमर्श।

संदर्भ सूची-

1. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल
3. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह
4. आलोचना और प्रगतिशील आयाम : शिवकुमार मिश्र
5. आलोचना के बुनियादी सरोकार : कर्णसिंह चौहान
6. मार्क्सवादी साहित्य-चिंतन : शिवकुमार मिश्र
7. नयी समीक्षा के प्रतिमान : (सं) निर्मला जैन
8. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
9. साहित्य और इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
10. आलोचना 60-61 : रामविलास शर्मा अंक
11. आलोचना 49-50 : हजारीप्रसाद द्विवेदी अंक
12. पहल 32 : नामवर सिंह पर केन्द्रित अंक
13. वसुधा : रामविलास शर्मा पर केन्द्रित अंक (सं) कमला प्रसाद
14. वसुधा - 53 : नामवर सिंह पर केन्द्रित अंक (सं) कमला प्रसाद
15. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचंद नारंग
16. हिन्दी आलोचना का सैद्धांतिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल
17. हिन्दी आलोचना : वैचारिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद : नगेन्द्र (संपादित)
19. मापदंड (पत्रिका) : उत्तर आधुनिकता विशेषांक, अंक अक्टूबर 1996
20. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी : मार्च 1997
21. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली - अमरनाथ
22. दलित साहित्य और विमर्श के आलोचक - कँवल भारती

PAPER: HIN 203 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

अनुवाद विज्ञान

अनुवाद: परिभाषा, महत्त्व और सीमाएँ

अनुवाद का स्वरूप: कला, विज्ञान अथवा शिल्प।

अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य और पाठ।

अनुवाद के प्रकार: शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, मौखिक अनुवाद, आशु अनुवाद, लिप्यंतरण, पुनर्रचना और यंत्रानुवाद।

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अर्थांतरण की प्रक्रिया। अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया।

अनुवाद के सिद्धांत: संरचनापरक और अर्थपरक(समतुल्यता) का सिद्धांत। सम्प्रेषणात्मक और भाषावैज्ञानिक, व्याख्यात्मक प्रयोग सम्बंधी, क्षतिपूर्ति और पुनर्रचना का सिद्धांत।

अनुवाद का क्षेत्र और चुनौतियाँ: भाषिक संरचनागत (शैलीगत, पाठगत, प्रयुक्तिगत और सांस्कृतिक), कार्यालयी अनुवाद, वैज्ञानिक और तकनीकी अनुवाद। साहित्यिक, मानविकी और संचार माध्यम अनुवाद।

अनुवाद व्यावहारिक (प्रैक्टिकल): अंग्रेजी सामग्री का हिंदी अनुवाद और हिंदी सामग्री का अंग्रेजी अनुवाद।

संदर्भ सूची-

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. काव्यानुवाद की समस्याएँ : भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद क्या है? : राजमल बोरा

4. भारतीय भाषाएँ एवं हिन्दी अनुवाद समस्या समाधान : कैलाशचन्द्र भाटिया
5. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : सुरेश कुमार
6. अनुवाद कला : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
7. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग : कैलाशचन्द्र भाटिया
8. अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया
9. अनुवाद : विज्ञान और संप्रेषण : हरिमोहन
10. अनुवाद के विविध आयाम : पूरनचन्द टंडन
11. अनुवादशास्त्र : सिद्धांत से व्यवहार की ओर : हेमचन्द्र पाण्डेय
12. साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना : आरसु
13. अंग्रेजी हिन्दी अनुवाद व्याकरण : सुरेश कुमार
14. अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत एवं प्रयोग: राजमणि शर्मा
15. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : सुरेश कुमार
16. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे
17. अनुवाद कार्य दक्षता : भारतीय भाषाओं की समस्याएँ : सं. महेन्द्रनाथ दूबे
18. अनुवाद कला : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
19. व्यावहारिक अनुवाद : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर

PAPER: HIN 204 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

नाटक और रंगमंच

नाटक: उद्भव एवं विकास

भारतेंदु युग पूर्व नाटक, भारतेंदु युगीन नाटक, प्रसाद युगीन नाटक, प्रसादोत्तर युगीन नाटक, समकालीन नाटक

नाटक: स्वरूप एवं विकास, तत्व एवं प्रकार

रंगमंच: अवधारणा, प्रकृति एवं स्वरूप (क) भारतीय (ख) पाश्चात्य रंगमंच एवं नाटक का अंतर्संबंध

गीति नृत्य नाट्य: स्वरूप, अवधारणा एवं प्रकृति

नुक्कड़ नाटक: स्वरूप, अवधारणा, प्रकृति एवं वैशिष्ट्य

पाठ

भारत दुर्दशा, ध्रुवस्वामिनी, लहरों के राजहंस, अंधायुग, नेपथ्य राग

संदर्भ-सूची

1. अंधायुग: एक विवेचन, कृष्णदेव शर्मा, माया अग्रवाल, अनीता प्रकाशन, दिल्ली
2. अंधायुग: पाठ और प्रदर्शन, जयदेव तनेजा, वाणी प्रकाशन
3. आधुनिक कालीन नाट्य-विमर्श, जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन
4. आधुनिक हिंदी नाटक एवं रंगमंच, नेमीचंद जैन, मेकमिनल, नई दिल्ली
5. जयशंकर प्रसाद, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
6. दूसरे नाट्यशास्त्री की खोज, देवेंद्रराज अंकुर, वाणी प्रकाशन
7. नाट्य दर्शन, मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन
8. नाट्य प्रस्तुति: एक परिचय, रमेश राजहंस, राधाकृष्ण प्रकाशन
9. नाटक, भारतेंदु हरिश्चंद्र
10. नाटककार, जयशंकर प्रसाद, सं. सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन
11. नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना, सं. सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन
12. हिंदी नाटक उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस
13. हिंदी नाटक और रंगमंच, सं. रामकुमार वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
14. हिंदी नाटक एवं रंगमंच, नेमीचंद्र जैन, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
15. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

PAPER: HIN 205 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

मध्यकालीन काव्य

कबीर : कबीर ग्रंथावली : संपादक :- माताप्रसाद गुप्त, साहित्य भवन इलाहाबाद

साखी संख्या :- गुरू के अंग : 11, 12, 16, 17, 25
सुमिरन को अंग : 4, 12
ज्ञान-विरह के अंग : 3
परचा कौ अंग : 20, 22

पद संख्या :- 1, 11, 24, 27, 39, 40, 45, 51, 52, 110

रैदास : रैदास की बानी : संपादक - शुकदेव सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

पद संख्या :- 6, 12, 16, 17, 20, 22, 23, 2, 37, 53, 65, 69, 70, 80, 90, 93, 95, 98, 105, 116

सूरदास : भ्रमरगीत-सार : संपादक - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

पद संख्या : 21, 23, 34, 42, 62, 64, 74, 76, 85, 97, 99, 110, 121, 138, 210, 375, 400

तुलसीदास : रामचरित मानस, गीताप्रेस, गोरखपुर।

रामराज्य वर्णन : दोहा संख्या 20 से दोहा 30 तक।

पुन : दोहा संख्या 36 से दोहा 41 तक।

कलि वर्णन - दोहा संख्या 97 से दोहा 103 तक।

मीराँबाई : मीराँबाई की पदावली : संपादक परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।

पद संख्या : 1, 2, 14, 18, 19, 20, 22, 32, 36, 41, 42, 49, 53, 70, 73, 76, 84, 103

बिहारी : बिहारी रत्नाकर : संपादक - जगन्नाथ दास रत्नाकर, ग्रंथकार, वाराणसी।

दोहा संख्या : 1, 11, 31, 32, 47, 69, 75, 94, 141, 173, 181, 201, 261, 327, 335, 340, 347, 351, 376, 388, 411, 418, 420, 428, 461, 472, 481, 581, 619

घनानंद : घनानंद कवित्त - संपादक - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , सरस्वती मंदिर, वाराणसी।

कवित्त संख्या : 6, 8, 10, 15, 16, 18, 23, 24, 28, 29, 38, 42, 51, 63, 69, 78, 83, 88, 94, 97

संदर्भ सूची-

1. कबीर-साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
2. कबीर : व्यक्ति, कृति और सिद्धांत : सरनाम सिंह शर्मा
3. सूर और उनका साहित्य : हरवंश लाल शर्मा
4. महाकवि सूरदास : रामचन्द्र शुक्ल
5. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह
6. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. बिहारी : ओमप्रकाश
8. घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा : कृष्णचन्द्र वर्मा
9. प्राचीन मुख्य कवियों का मूल्यांकन : विमल
10. त्रिवेणी : रामचन्द्र शुक्ल
11. सगुण भक्ति काव्य में लोक पक्ष : मोहन
12. वागर्थ-59, मार्च-अप्रैल 2000, कबीर विशेषांक : सं. प्रभाकर क्षोत्रिय
13. सापेक्ष-44, कबीर विशेषांक : सं. महावीर अग्रवाल
14. भक्तिकाव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र

15. कृष्णकाव्य की परंपरा और सूरदास : मैनेजर पाण्डेय
16. कबीर : हजारी प्रसाद दिवेदी
17. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल
18. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
19. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ
20. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी

PAPER: HIN 301 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

आधुनिक काव्य - ।

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत : नवम सर्ग

जयशंकर प्रसाद : कामायनी : चिंता, श्रद्धा, इड़ा, आनंद।

सुमित्रानंदन पंत : नौका-विहार, संध्या-तारा, ताज।

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : तुलसीदास, कुकुरमुत्ता।

महादेवी वर्मा : यामा : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
गीत : मैं नीर भरी दुःख की बदली, धीरे-धीरे उत्तर क्षितिज से आ बसंत रजनी, पंथ होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला, सब आँखों के आँसू उजले, जीवन विरह का जलजात।

रामधारी सिंह दिनकर : उर्वशी : तीसरा सर्ग।

अज्ञेय : आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय : संपादक - विद्यानिवास मिश्र।
असाध्य वीणा, नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की।

PAPER: HIN 302 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

आधुनिक काव्य - ।।

गजानन माधव मुक्तिबोध : कविता : चाँद का मुंह टेढ़ा है, अंधेरे में।

शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ : संपादक - नामवर सिंह, कविताएँ : स्थिर है शव-सी बात, ऊषा, चुका भी हूँ मैं नहीं, काल तुझसे होंड़ है मेरी, अमन का राग, पीली शाम, वह सलोना जिस्म।

रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरूद्ध।
कविताएँ : स्वाधीन व्यक्ति, मेरा प्रतिनिधि, अधिनायक, नेता क्षमा करें, अपने आप और बेकार, खड़ी स्त्री. अकाल, नयी हँसी, एक अधेड़ भारतीय आत्मा।

नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ : संपादक - नामवर सिंह
कविताएँ - घिन तो नहीं आती है, बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, चंदू मैंने सपना देखा, शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद, मंत्र, प्रेत का बयान।

धूमिल : संसद से सड़क तक
कविता : पटकथा।

संदर्भ सूची-

1. मैथिलीशरण गुप्त : कमलाकांत पाठक
2. मैथिलीशरण गुप्त : भारतीय संस्कृति के व्याख्याता : उमाकांत गोयल
3. साकेत का प्रतिपाद्य : सूर्यप्रकाश दीक्षित
4. कामायनी एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
5. कामायनी का पुर्नमूल्यांकन : रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
7. जयशंकर प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी
8. कवि निराला : नन्ददुलारे वाजपेयी
9. निराला की साहित्य साधना : भाग-1, 2 और 3 : रामविलास शर्मा
10. निराला : आत्माहंता आस्था : दूधनाथ सिंह
11. काव्यभाषा और निराला की कविताएँ : रेखा खेर
12. विवेक के रंग : सं. देवीशंकर अवस्थी
13. दिनकर के काव्य में परंपरा और आधुनिकता : जयसिंह नीरज
14. उर्वशी : उपलब्धि और सीमा : विजेन्द्र नारायण सिंह
15. युग-चारण दिनकर : सावित्री सिंहा
16. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
17. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी

18. मुक्तिबोध का रचना संसार : सं. गंगा प्रसाद विमल
19. गजानन माधव मुक्तिबोध : सं. लक्ष्मणदत्त गौतम
20. मुक्तिबोध का साहित्यिक विवेक और उनकी कविता : लल्लन राय
21. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
22. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
23. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना : नन्दकिशोर नवल
24. तीन लंबी कविताएँ : नन्दकिशोर नवल
25. नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
26. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी
27. प्रयोगवाद और नयी कविता : शंभुनाथ सिंह
28. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : हुकुमचन्द राजपाल
29. वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह

PAPER: HIN 303 (A) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

जयशंकर प्रसाद

पाठ

- लहर (संपूर्ण)
- कामायनी(संपूर्ण)
- आँसू (नाविक, इस सुने तट पर से लेकर है खेल आँख का मन का तक)
- झरना (समर्पण, झरना, अव्यवस्थित, खोलो द्वार, आदेश)

संदर्भ सूची-

1.हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नंददुलारे बाजपेयी

2.जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन - विनोद शाही

3.कामायनी : एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध

4.जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता - प्रभाकर श्रोत्रिय

5.जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे बाजपेयी

6.प्रसाद की काव्य-भाषा - रचना आनंद गौड़

7.प्रसाद काव्य में बिम्ब योजना - रामकृष्ण अग्रवाल

8.कामायनी-लोचन (प्रथम एवं द्वितीय खंड) - उदयभानु सिंह

9.प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर

PAPER: HIN 303 (B) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

सुमित्रानंदन पंत

चिदम्बरा (सम्पूर्ण)

पल्लविनी (सम्पूर्ण)

अन्य कविताएँ-

बापू के प्रति

ताज

नौका विहार

परिवर्तन

प्रथम रश्मि

मौन निमंत्रण

भारत ग्राम

संस्कृति के प्रश्न

आँगन से

नक्षत्र

संदर्भ सूची-

1. पंत का नूतन काव्य और दर्शन- विश्वंभरनाथ उपाध्याय
2. सुमित्रानंदन पंत: वैचारिकी व्यक्तित्व- गण्पतिचंद गुप्त
3. आधुनिक कविता यात्रा- रामस्वरूप चतुर्वेदी

4. सुमित्रानंदन पंत तथा आधुनिक हिंदी कविता में परंपरा और नवीनता- चेलिशिव
5. प्रगतिवाद- शिवदान सिंह चौहान
6. सुमित्रानंदन पंत जीवन और साहित्य भाग- 1 एवं 2
7. सुमित्रानंदन पंत- डॉ० नगेंद्र
8. छायावाद का पतन- डॉ० देवराज
9. सुमित्रानंदन पंत- कृष्णदत्त पालीवाल
10. हिंदी में छायावाद- मुकुटधर पांडेय
11. कवियों में सौम्य संत: सुमित्रानंदन पंत- डॉ० हरिवंशराय बच्चन
12. सुमित्रानंदन पंत- विश्वम्भर मानव

PAPER: HIN 303 (C) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

महादेवी वर्मा

पाठ

नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, दीपशिखा, प्रथम आयाम, अग्निरेखा

संदर्भ-सूची

1. महादेवी- दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन
2. छायावाद- नामवर सिंह
3. छायावादी काव्य-कोश- कमलेश वर्मा, सुचिता
4. छायावाद: सौ साल- प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
5. छायावाद: परिचय एवं प्रवृत्तियाँ- ओम प्रकाश यादव, ज्ञान प्रकाशन
6. छायावाद का रचनालोक- रामदरश मिश्र
7. महादेवी वर्मा की विश्वदृष्टि- तोमोको किकुचि, परमेशवरी प्रकाशन, दिल्ली

PAPER: HIN 303 (D) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

पाठ

- अनामिका
- नये पत्ते

कवितायें :-

- जागो फिर एक बार।
- बादल राग - 6 ।
- तोड़ती पत्थर।
- स्नेह निर्झर बह गया है।
- भारती जय विजय करें।
- बांधो न नाव इस ठाँव बंधु।
- चूँकि यहाँ दाना है।
- गहन है यह अंधकारा।
- खुला आसमान।
- कुछ न हुआ न हो।
- राजे ने अपनी रखवाली की।

संदर्भ सूची-

1.निराला : कवि -छवि - नंदकिशोर नवल
2. निराला: कृति से साक्षात्कार - नंदकिशोर नवल
3. निराला की साहित्य साधना (3 खंड) - रामविलास शर्मा
4. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन - ए०अरविंदाक्षन
5. निराला का काव्य - बच्चन सिंह
6. निराला : आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
7. निराला का अलक्षित अर्थ गौरव - पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
8. निराला - भवदेव पाण्डेय
9.निराला - विश्वनाथप्रसाद तिवारी
10.निराला की कविताएँ और काव्यभाषा - रेखा खरे
11.निराला और मुक्तिबोध - नंदकिशोर नवल
12.निराला के सृजन सीमांत - अर्चना वर्मा

PAPER: HIN 304 (A) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

नाटक: अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा

प्रहसन: वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति

निबंध: भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है, स्वर्ग में विचार सभा, लेखक और नागरी लेखक, जातीय संगीत

काव्य- हिंदी की उन्नति पर व्याख्यान, दशरथ विलाप, उर्दू का स्यापा, गजल (मादये तारीख), बकरी विलाप, नये जमाने की मुकरी

आलोचना: नाटक (संक्षिप्त रूप)

इतिहास: अकबर और औरंगजेब, कालचक्र

यात्रा वृत्तान्त: लखनऊ, कैंप हरैया बाजार

अन्य विधाएँ: कुछ आप बीती कुछ जग बीती (आत्मा कथांश), समस्यामूर्ति- रोम रोम रूस फूस है,

संपादन: (पत्र-पत्रिकाएं) हरिश्चंद्र मैग्जीन, कविवचन सुधा, बालाबोधिनी

संदर्भ सूची-

1. भारतेंदु समग्र, संपादन- हेमंत शर्मा, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतेन्दु हरिश्चंद्र, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतेन्दु हरिश्चंद्र, ब्रजरत्न दास, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
5. द नेशनलाइजेशन ऑन हिन्दू ट्रेडीशन, भारतेंदु हरिश्चंद्र एंड नाइटीन्थ सेंचुरी, वसुधा डालमिया, ऑक्सफोर्ड इंडिया पेपर बैक्स,
6. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता, डॉ. मीरा रानी बल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. साहित्य और विचारधारा, रूपा गुप्ता, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली

8. हिंदी और बांग्ला नवजागरण भारतेंदु एवं बंकिमचंद्र, रूपा गुप्ता, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
9. भारतेन्दु और आधुनिक हिंदी की चुनौतियाँ, डॉ. बलबीर सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
10. भारतेंदु हरिश्चंद्र के यात्रा वृतान्त कुछ अनछुए पहलू, संपा. एवं संकलन-अमिता, ईशा ज्ञानदीप, नई दिल्ली
11. भारतेंदु के साहित्य में वैष्णवता और क्रांतिधर्मिता, डॉ. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी, बंगीय हिंदी परिषद, कलकत्ता
12. भारतेंदु के विचार-एक पुनर्विचार, डॉ. चंद्रभानु सीताराम सोनवणे, पंचशील प्रकाशन, हरियाणा
13. भारतेंदु युगीन साहित्य में राष्ट्रीय भावना, डॉ. पुष्पा थरेजा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
14. भारतीय युग का नाट्य साहित्य और रंगमंच, डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
15. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना, डॉ. सत्येंद्र कुमार तनेजा, भारती भाषा प्रकाशन, दिल्ली
16. भारतेंदु कालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, डॉ. श्रीमती कमला कानोड़िया, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17. भारतेंदु हरिश्चंद्र, डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद

PAPER : HIN 304 (B) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

प्रेमचन्द

उपन्यास

- रंगभूमि
- गबन
- प्रेमाश्रम

कहानी

- ईदगाह
- ठाकुर का कुंआ
- पूस की रात
- सद्गति
- पंच परमेश्वर
- बेटोंवाली विधवा
- सवा सेर गेहूँ

- मनोवृत्ति
- दो बैलों की कथा
- मंत्र

संदर्भ सूची-

1.प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा

2.प्रेमचंद: कहानी का रहनुमा - जाफ़र रज़ा

3.प्रेमचंद का चिंतन:अपनी जमीन - राममूर्ति त्रिपाठी

4.प्रेमचंद के आयाम - ए० अरविंदाक्षन

5.प्रेमचंद:एक विवेचन - इंद्रनाथ मदान

6.प्रेमचंद और भारतीय समाज - नामवर सिंह

7.प्रेमचंद:एक साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे बाजपेयी

8.आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद - सत्यकाम

9.कलम का मज़दूर:प्रेमचंद - मदन गोपाल

10.प्रेमचंद:विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता - (संपादित) मुरलीमनोहर प्रसाद सिंह एवं रेखा अवस्थी

11.प्रेमचंद:विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र

12.प्रेमचंद के साहित्य में हाशिये का समाज(एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य) - शुभ्रा सिंह

13.प्रेमचंद - हंसराज रहबर

14.प्रेमचंद घर में - शिवरानी देवी

15.प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमिक अध्ययन - कमल किशोर गोयनका

PAPER: HIN 304 (C) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

राहुल सांकृत्यायन

पाठ

- बाईसवीं सदी (उपन्यास)
- घुमक्कड़ शास्त्र (यात्रा विमर्श)
- वोल्गा से गंगा (कहानी संग्रह)
- भागो नहीं दुनिया को बदलो (निबंध)

संदर्भ सूची-

1. राहुल सांकृत्यायन का कथा-साहित्य- प्रभाकर मिश्र
2. राहुल सांकृत्यायन - भदंत आनंद कौसल्यायन
3. महापंडित राहुल : समग्र मूल्यांकन - वीरेंद्र सिंह
4. स्वयंभू महापंडित राहुल सांकृत्यायन - गुणाकर मुले
5. राहुल सांकृत्यायन : सृजन और संघर्ष - उर्मिलेश
6. राहुल सांकृत्यायन - (संपादित) श्रीनिवास शर्मा
7. समय साम्यवादी - विष्णुचंद्र शर्मा
8. हिंदी कलम(पत्रिका),1993 - राहुल विशेषांक
9. वसुधा,अंक - 26 .अप्रैल-जून,1994 - राहुल विशेषांक
10. समकालीन सृजन, अंक-15,1993 - राहुल विशेषांक

PAPER : HIN 304 (D) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

फणीश्वरनाथ रेणु

पाठ

उपन्यास

- परती परिकथा
- जूलूस
- कलंक मुक्ति

कहानी

- पंचलाइट
- संवदिया
- लालपान की बेगम

- रसप्रिया
- एक श्रावनी दोपहरी की गंध
- मिथुन राशि
- अगिनखोर
- एक आदिम रात्रि की महक
- हाथ का जस और वाक का सत
- ठेस

संदर्भ सूची-

1. कहानीकार फणीश्वरनाथ रेणु - राज रैना
2. कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु - चन्द्रभानु सीताराम सोनवणे
3. फणीश्वरनाथ रेणु का साहित्य - अंजली तिवारी
4. रेणु; कृतित्व एवं कृतियाँ - (सं) सियाराम तिवारी
5. फणीश्वरनाथ रेणु का कथा साहित्य - जोगेन्द्र सिंह वर्मा
6. उपन्यासकार रेणु और मैला आंचल - गोपाल राय
7. फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियाँ ; शिल्प और सार्थकता - हरिकृष्ण कौल
8. फणीश्वरनाथ रेणु का कथा-शिल्प - रेणुशाह
9. रेणु का जीवन - (संपादित) भारत यायावर
10. रेणु के साथ - (संपादित) भारत यायावर

PAPER: HIN 305 (A) (Minor Elective Course)

Credits Points 4 **Total Marks – 50**

हिन्दी साहित्य (अ)

हिन्दी साहित्य का इतिहास:

आदिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, भक्तिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, रीतिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, आधुनिक काल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि

आधुनिक काव्य:

भारतेन्दु की मुकरियाँ, प्रसाद का 'आँसू, निराला ; स्नेह निर्झर बह गया है, तोड़ती पत्थर, महादेवी तुम मुझमें प्रिय फिर परिचय क्या-, जाग तुझको दूर जाना, केदारनाथ अग्रवालहवा हूँ - हवा मैं बसंतीहूँ , चंदगहना में लौटती बेर ।

हिन्दी कथा साहित्य:

प्रेमचंद- गोदान

कहानियाँ:

चंद्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था, फणीश्वरनाथ रेणु- पंचलाइट, नासिरा शर्मा- पत्थर गली

निबन्ध एंव गद्य की अन्य विधाएँ:

रामचन्द्र शुक्ल- क्रोध, शरद जोशी- जीप पर सवार इल्लियाँ, अज्ञेय- वसंत का अग्रदूत , तुलसीराम - मणिकर्णिका का प्रथमांश, जगदीश चंद्र माथुर- रीढ़ की हड्डी |

संदर्भसूची-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहासनंदकिशोर नवल-
4. हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचन्द्र तिवारी
5. आधुनिक साहित्य - नन्द दुलारे वाजपेयी
6. प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर
7. निराला एक आत्महंता आस्था -दूधनाथ सिंह
8. निराला की साहित्य साधना भाग1-और -2 रामविलास शर्मा
9. वाद-संवाद-विवाद- नामवर सिंह
10. प्रेमचंद और उनका युग -रामविलास शर्मा
11. प्रेमचंद और भारतीय समाज- नामवर सिंह
12. प्रेमचंद-विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता : संपादक मुरली मनोहर प्रसाद सिंह एवं रेखा अवस्थी
13. हिन्दी कहानी प्रक्रिया और पाठ- सुरेन्द्र चौधरी
14. कहानी:नयी कहानी- नामवर सिंह
15. कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु- चन्द्रभानु सीताराम सोनवणे
16. कहानीकार फणीश्वरनाथ रेणु - राज रैना

PAPER : HIN 305 (B) (Minor Elective Course)

Credits Points 4 **Total Marks – 50**

हिन्दी साहित्य (ब)

हिन्दी साहित्य का इतिहास:

आदिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, भक्तिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, रीतिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, आधुनिक काल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि

आधुनिक काव्य:

प्रताप नारायण मिश्र- 'फाग', अज्ञेय- 'सोन मछली', नागार्जुन- घिन तो नही आती, रघुवीर सहाय- हँसो-हँसो जल्दी हँसो, केदारनाथ सिंह- नमक।

हिन्दी कथा साहित्य:

प्रेमचंद- गबन

कहानियाँ:

सुदर्शन- हर की जीत, यशपाल- दुख, बंग महिला- दुलाईवाली

निबंध एवं गद्य की अन्य विधाएँ:

हजारी प्रसाद द्विवेदी- नाखून क्यो बढ़ते है, हरिशंकर परसाई- राजनीति का बँटवारा

महादेवी वर्मा- चीनी फेरि वाला, रेणु ऋणजल धनजल (प्रथमांश)

PAPER: HIN 305 (C) (Minor Elective Course)

Credits Points 4 **Total Marks – 50**

हिन्दी साहित्य (स)

हिन्दी साहित्य का इतिहास:

आदिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, भक्तिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, रीतिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, आधुनिक काल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि

आधुनिक काव्य:

प्रेमघन बदरी नारायण चौधरी-

धूमिल- रोटी और संसद , राजेश जोशी- भूख, अरुण कमाल- धार, शमशेर बहादुर- उषा

हिन्दी कथा साहित्य:

प्रेमचंद- सेवासदन

कहानियाँ:

जैनेन्द्र- पाजेब, भीष्म साहनी- चीफ की दावत, सुभद्रा कुमारी चौहान- वेश्या की लड़की,

कृष्णा सोबती- सिक्का बादल गया

निबंध एवं गद्य की अन्य विधाएँ:

कुबेर नाथ राय- गंधमादन, राहुल संस्कृत्यायन- घुमक्कड़ शास्त्र, विष्णुकांत शास्त्री- मुक्त योद्धाओं के शिविर में, सफदर हाशमी- औरत

PAPER : HIN 305 (D) (Minor Elective Course)

Credits Points 4 **Total Marks – 50**

हिन्दी साहित्य (द)

हिन्दी साहित्य का इतिहास:

आदिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, भक्तिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, रीतिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि, आधुनिक काल की सामान्य प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि

आधुनिक काव्य:

हरि औध- धर्मराज सन्यास, कुंवर नारायण- बीमार नहीं है वह, दिनकर- दूध-दूध,

माखनलाल चतुर्वेदी- पुष्प की अभिलाषा, अमरकांत- जिंदगी और जोंक

हिंदी कथा साहित्य:

प्रेमचन्द- कर्मभूमि

कहानियाँ:

मन्नू भंडारी- त्रिशंकु, कमलेश्वर- सबके का आदमी, सुशीला टकभौरे- सिलिया,

निबंध एवं गद्य की अन्य विधाएँ:

गुलाब राय- गेहूं और गुलाब

कौशल्या वैसंत्री- दोहरा अभिशाप (प्रथमांश)

रामकुमार वर्मा- औरंगजेब की आखिरी रात

बालमुकुंद गुप्त- पीछे मत फेंकिये

मधु कांकरिया- काली चिड़िया

FOURTH SEMESTER

PAPER : HIN 400
(PRACTICAL PAPER)

Credits Points 2 **Total Marks – 20**

Community Engagement Course/ Educational/ Literary Tour
सामाजिक कार्य /शैक्षणिक /साहित्यिक यात्रा

A social outreach (Academic literary, Educational Tour) programme containing 02 (Two Credit) point shall be held during P.G 4th Semester the students shall submit a report for Evaluation.

PAPER : HIN 401 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

हिन्दी उपन्यास : पृष्ठभूमि और पाठ

गद्य का उदय और विकास : औद्योगिकीकरण, मध्यवर्ग का उदय और लोकतंत्र। यथार्थ की पहचान, प्रभाव और प्रयोग। कथा-सृष्टि और उसके विकास में कथा-पत्रिकाओं की भूमिका और उसका योगदान।

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास, प्रेमचंद और उनके युग के उपन्यास : सर्जनात्मक पृष्ठभूमि और प्रवृतियाँ।
प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास : मनोविश्लेषणवादी उपन्यास, आँचलिक उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास : सर्जनात्मक पृष्ठभूमि और प्रवृतियाँ।
साहित्य का समाजशास्त्र और हिन्दी उपन्यास
हिन्दी उपन्यास : दलित विमर्श और स्त्री विमर्श

पाठ

कंकाल : जयशंकर प्रसाद
गोदान : प्रेमचंद
बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद दिवेदी
शेखर : एक जीवनी (दोनों भाग) : अज्ञेय
सुहाग के नूपुर : अमृतलाल नागर
धरती धन न अपना : जगदीशचन्द्र
महाभोज : मन्नू भंडारी

संदर्भ सूची-

1. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
2. आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान : देवराज उपाध्याय
3. अधूरे साक्षात्कार: नेमिचन्द्र जैन
4. हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति : चन्द्रकांत बांदिवडेकर
5. उपन्यास और लोकजीवन : रैल्फ फॉक्स
6. प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
7. प्रेमचन्द का पुनर्मूल्यांकन : शंभुनाथ
8. प्रेमचन्द : विरासत का सवाल : शिवकुमार मिश्र
9. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश
10. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
11. हिन्दी उपन्यासों पर पाश्यात्य प्रभाव : भारतभूषण अग्रवाल
12. हिन्दी उपन्यास : एक नयी दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान
13. विवेक के रंग : (सं.) देवीशंकर अवस्थी
14. कथा-समय : विजयमोहन सिंह
15. उपन्यास का उदय : आयन वाट
16. हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास : सुरेश सिन्हा
17. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य : गोपाल राय
18. गोदान : सं. राजेश्वर गुरू

19. गोदान : एक नव्य दृष्टि : शैलेश जैदी

20. प्रेमचन्द और मार्क्सवादी आलोचना : सं. जगदीश्वर चतुर्वेदी और चन्द्रकला पाण्डेय

PAPER : HIN 402 (CORE COURSE)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

हिन्दी कहानी : पृष्ठभूमि और पाठ

हिन्दी कहानी : प्रेमचंदपूर्व युग की कहानियाँ, प्रेमचंदयुगीन एवं प्रेमचंदोत्तर युग की कहानियाँ : वस्तु एवं रूपरचना

स्वतंत्र्योत्तर युग के विभिन्न कहानी आन्दोलन : नई कहानी, अकहानी, समांतर कहानी, जनवादी कहानी अन्य कहानी आन्दोलन।

हिन्दी कहानी : दलित विमर्श और स्त्री विमर्श।

उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद

कफन - प्रेमचंद

पत्नी - जैनेन्द्र

रोज - अज्ञेय

तुमने क्यों कहा था कि मैं सुंदर हूँ - यशपाल

गदल - रांगेय राघव

जहाँ लक्ष्मी कैद है - राजेन्द्र यादव

राजा निरबंसिया - कमलेश्वर

यही सच है - मन्नू भंडारी

जिन्दगी और जोंक - अमरकांत

परिंदे - निर्मल वर्मा

तीसरी कसम - रेणु

भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई

चीफ की दावत - भीष्म साहनी

टोबाटेक सिंह - मंटो

पिता - ज्ञानरंजन

अपना रास्ता लो बाबा - काशीनाथ सिंह

कोशी का घटवार - शेखर जोशी

पार्टीशन - स्वयं प्रकाश

तिरिछ - उदय प्रकाश

सागर सीमांत - संजीव

तीसरा विभाजन - अनय

सलाम - ओमप्रकाश वाल्मीकि

संदर्भ सूची-

1. हिन्दी कहानी : उद्‌भव और विकास : सुरेश सिन्हा
2. कहानी की बात : मार्कण्डेय
3. कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
4. कहानी नयी कहानी : नामवर सिंह
5. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
6. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : सं. देवीशंकर अवस्थी
7. एक दुनिया समानांतर : सं. राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र चौधरी
9. आज की कहानी : विजयमोहन सिंह
10. कथा-समय : विजयमोहन सिंह
11. समकालीन हिन्दी कहानी : पुष्पपाल सिंह
12. कहानी में अनुपस्थित : गौतम सान्याल
13. अंतिम दशक की हिंदी कहानियाँ: संवेदना और शिल्प- डॉ. नीरज शर्मा
14. कथा-विवेचन और गद्‌य-शिल्प : रामविलास शर्मा
15. हिन्दी कहानी : पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान
16. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश
17. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय : यदुनाथ सिंह

18. हिन्दी कहानी : आठवां दशक : सरबजीत
19. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
20. वर्तमान साहित्य, संयुक्तांक 1-2, शताब्दी कथा विशेषांक : पुष्पपाल सिंह

PAPER: HIN 403 (A) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

समकालीन महिला कथाकार

चंद्रकिरण सौनरेक्सा- हिरनी

कृष्णा सोबती- ऐ लड़की

उषा प्रियंवदा- वापसी

मन्नू भंडारी- अकेली

मालती जोशी- उसने नहीं कहा

राजी सेठ- मार्था का देश

मंजुल भगत- अनारो

चंद्रकांता- थोड़ा सा स्पेस अपने लिए

मृदुला गर्ग- समागम

सिम्मी हर्षिता- बंजारन हवा

ममता कालिया- मनहूसा बी

प्रभा खेतान- आओ पेपे घर चलें

सूर्यबाला- शहर की सबसे दर्दनाक ख़बर

चित्रा मुद्गल- प्रेतयोनि

मैथिली पुष्पा- गोमा हंसती है

मेहरुन्निसा परवेज़- सोने का बेसर

मृणाल पांडे- बिब्बो

नासिरा शर्मा- संगसार

सुशीला टाकभौरे- संघर्ष

मधु काँकरिया- चिड़िया ऐसे मरती है

गीतांजलि श्री- भीतराग

अलका सरावगी- एक पेड़ की मौत

सुधा अरोड़ा- उधड़ा हुआ स्वेटर

संदर्भ सूची-

1. हिंदी कहानी का इतिहासराजकमल प्रकाशन ,3-खंड ,2-खंड ,1-खंड ,गोपाल राय ,
2. कहानी नयी कहानीराजकमल प्रकाशन ,नामवर सिंह ,
3. कहानी स्वरूप और संवेदना नेशनल ,राजेन्द्र यादव ,पब्लिशिंग हाउस
4. एक दुनिया समानान्तरराधाकृष्ण प्रकाशन ,संपादक राजेन्द्र यादव ,
5. समकालीन कहानीराधाकृष्ण प्रकाशन ,पुष्पपाल सिंह ,रचनामुद्रा ,
6. समकालीन कहानी का समाजशास्त्रप्रकाशन संस्थान दिल्ली ,देवेन्द्र चौबे ,
7. हिंदी कहानीः पहचान और परख ,इन्द्रनाथ मदान ,विश्वविद्यालय प्रकाशनवाराणसी ,
8. महादेवी वर्माश्रृंखला की कड़ियाँ ,
9. नयी कहानी पुनर्विचारलोगभारती प्रकाशन ,मधुरेश ,
10. हिंदी कहानी का विकासलोकभारती प्रकाशन ,मधुरेश ,
11. कहानी का लोकतंत्रआधार प्रकाशन ,पल्लव ,
12. हिंदी कहानीःअस्मिता की तलाशआधार प्रकाशन ,मधुरेश ,
13. समकालीन कहानीःयुगबोध का संदर्भपुष्पपाल सिंह ,
14. समकालीन हिन्दी कहानीदिनमान प्रकाशन ,बलराम ,
15. नई कहानी पर सवालपटना ,अनुपम प्रकाशन ,सत्यकाम ,
16. कहानी का वर्तमानदिल्ली ,राजसूय प्रकाशन ,जानकी प्रसाद शर्मा ,
17. कथासमय में तीन हमसफरराजकमल प्रकाशन ,निर्मला जैन ,
18. स्त्री संवेदना विमर्श के निकष ,संगीता सक्सेना .डॉ,सुधा अरोड़ा ,आशा शुक्ला -संपादक ,1-खंड , साहित्य भंडार पब्लिकेशन
19. चित्रा मुद्गल सृजन के विविध आयाम 1-खंड ,एवं खंडअमन ,उर्मिला शिरीष -संपादक ,2- प्रकाशन
20. चन्द्रकांता का सृजन संसारअमन प्रकाशन ,संतोष गोयल -संपादक ,

21. हंसस्त ,ंरी विमर्श के अंतर्विरोध1996 दिसंबर ,प्रभा खेतान ,
22. नारी शोषणः आईने और आयामनेशनल पब्लिशिंग हाउस ,आशारानी व्योरा ,
23. आजकल ,1982 फरवरी ,परिचर्चा महिला साहित्यकारों से

PAPER: HIN 403 (B) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

समकालीन कविता

केदारनाथ सिंह– बनारस, पानी में गिरे हुए लोग, कुदाल, फर्क नहीं पड़ता, नमक

अशोक बाजपेयी– माँ, पिता के जूते, खजुराहो जाने से पहले, फिर आऊँगा, अब बचा ही क्या है

राजेश जोशी– बच्चे काम पर जा रहे हैं, मारे जायेंगे, रैली में स्त्रियाँ, दो पंक्तियों के बीच, जिद

अनामिका– कूड़ा बीनते बच्चे, अनब्याही औरतें, प्रेम के लिए फाँसी, ओढ़नी, खुसरो की दरगाह

पवन करण– एक स्त्री मेरे भीतर, बहन का प्रेमी, प्यार में डूबी हुई माँ, लगातार कोशिश में, अस्पताल के बाहर टेलीफोन

जितेंद्र श्रीवास्तव– सोनचिरई, बेटियाँ, स्त्रियाँ कहीं भी बचा लेती हैं पुरुषों को, कायांतरण, सूरज को अँगूठा

ओमप्रकाश वाल्मीकि- पूस की रात, सदियों का संताप, ठाकुर का कुँआ, युग चेतना, बस बहुत हो चुका

असंगघोष- ताक धिन धिन, समय को इतिहास लिखने दो, माँ, मैं दूँगा माकूल जबाब, तेरी चुप्पी

संदर्भ सूची-

1. समकालीन कविता के आयाम: पी रवि
2. समकालीन हिंदी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

3. समकालीन कविता: ए अरबिंदाक्षण
4. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ: रामकली सर्राफ
5. विचारधारा, नए विमर्श और समकालीन कविता: जितेंद्र श्रीवास्तव
6. समकालीन कविता और कुलीनतावाद: अजय तिवारी
7. एक कवि की दूसरी नोटबुक: राजेश जोशी
8. समकालीन कविता संभावना और चुनौतियां: अरुण होता
9. कविता का घनत्व: जितेंद्र श्रीवास्तव

PAPER: HIN 403 (C) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

आदिवासी विमर्श

उपन्यास- ग्लोबल गाँव के देवता

कहानी - लोकप्रिय आदिवासी कहानियाँ (वंदना टेटे-संपादक)

कविता संग्रह -(लोकप्रिय अदिवासी कविताएँ- संपादक-वंदना टेटे) से रोज केर केट्टा और ग्रेस कुजूर की कविता, वंदना टेटे की कविता -औरत-1, औरत-2, निर्मला पुतुल- उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! , कुछ भी तो बचा न सके तुम | महादेव टोप्पो-सबसे बड़ा खतरा, जंगल पहाड़ के|

आत्मकथा- जंगल के पार

संदर्भ सूची -

1. आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन- संपादक वंदना टेटे
2. आदिवासी दर्शन कथाएँ- संपादक- वंदना टेटे
3. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी- डॉ. रमणिका गुप्ता
4. आदिवासी समाज और साहित्य- डॉ. रमणिका गुप्ता
5. आदिवासी साहित्य विमर्शः चुनौतियाँ और संभावनाएँ- गंगा सहाय मीणा
6. आदिवासी उपन्यासों का समाजशास्त्र- डॉ राठोर पुंडलिक
7. आदिवासी विकास एवं प्रथाएँ- प्रकाशचंद्र मेहता
8. साहित्य के आईने में आदिवासी विमर्श- संपादकशगुफ़्ता नियाज़ ,डॉ ,फ़ीरोज़ खान .एम.डॉ-
9. आदिवासी समाज एवं संस्कृति- डॉ शैला चौहान कदम
10. आदिवासी एवं उपेक्षित जन- डॉ. भीमराव पिंगले

11. आदिवासी चिंतन की भूमिका- गंगा सहाय मीणा

पत्रिकाएँ -

आदिवासी साहित्य- संपादक गंगा सहाय मीणा

झारखंडी भाषा साहित्य, संस्कृति अखाड़ा, संपादक- वंदना टेटे

युद्धरत आम आदमी, संपादक- डॉ. रमणिका गुप्ता

PAPER: HIN 403 (D) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

समकालीन उपन्यास

पाठ

1. कितने पाकिस्तान - कमलेश्वर
2. कठगुलाब - मृदुला गर्ग
3. पोस्टबॉक्स नं 203.नाला सोपारा - चित्रा मुद्गल
4. धूल पौधों पर - गोविंद मिश्र
5. उपसंहार- काशीनाथ सिंह
6. रह गईं दिशाएँ इसी पार - संजीव

संदर्भ सूची-

1. लेखक से भेंट(इंटरनेट पर उपलब्ध) कमलेश्वर ,
2. उपन्यासः समय एवं संवेदनावाणी प्रकाशन ,विजयबहादुर सिंह .डॉ ,
3. आधुनिक हिंदी उपन्यास ,2-डॉराजकमल प्रकाशन ,नामवर सिंह .
4. उपन्यासः स्थिति और गतिवाणी प्रकाशन ,चंद्रकांत वांदिवडेकर ,
5. उपन्यास का काव्यशास्त्रराधाकृष्ण प्रकाशन ,बच्चन सिंह ,
6. उपन्यास की समकालीनताभारतीय ज्ञानपीठ ,ज्योतिष जोशी ,
7. हिंदी उपन्यास की दिशाएँ,गोविन्द प्रकाशन ,वेदप्रकाश अभिताभ , मथुरा
8. इतिवृत्त की संरचना और स्वरूपआधार प्रकाशन ,रोहिणी अग्रवाल ,

9. भारत विभाजन और हिन्दी कथा साहित्यइलाहाबाद ,जयभारती प्रकाशन ,प्रमिला अग्रवाल .डॉ,
10. भारत विभाजन की अन्तःकथाभारतीय ज्ञानपीठ ,प्रियंवद ,
11. उपन्यास और लोकजीवनपी ,नरोत्तम नागर-अनुवाद ,रैल्फ फॉक्स ,पुल्स पब्लिशिंग हाउस
12. हिंदी उपन्यास का विकासइलाहाबाद ,सुमित प्रकाशन ,मधुरेश ,
13. हिंदी उपन्यासः एक अन्तर्यात्राराजकमल प्रकाशन ,रामदरश मिश्र ,
14. विभाजन की त्रासदीः भारतीय कथादृष्टिभारतीय ज्ञानपीठ ,नरेन्द्र मोहन ,
15. उपन्यास और वर्चस्व की सत्तारा ,वीरेन्द्र यादव ,जकमल प्रकाशन
16. उपन्यास की संरचनाराजकमल प्रकाशन ,गोपाल राय ,
17. चित्रा मुद्गल सृजन के विविध आयाम 1-खंड ,एवं खंडअमन ,उर्मिला शिरीष -संपादक ,2-प्रकाशन
18. भूमंडलीकरण और हिन्दी उपन्यास, पुष्पपाल सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
19. मेरे साक्षात्कारविज्ञान भूष .सं ,चित्रा मुद्गल ,णकिताबघर प्रकाशन ,
20. कथादेश2012 जुलाई ,
21. नया ज्ञानोदय2012 जुलाई ,जून ,
22. समयांतर2012 फरवरी ,

PAPER: HIN 404 (A) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

अज्ञेय

उपन्यास:

नदी के दीप

अपने अपने अजनबी

शेखर एक जीवनी (प्रथम भाग)

कविता:

असाध्य वीणा, आंगन के पार, सरस्वती पुत्र, अंधकार में द्वीप, सुनी सी सांझ एक,सोन मछली, आंगन के पार द्वार से पांच कविता?

कहानी: शरणार्थी, हीलीबोन की बत्तखें

यात्रा वृतांत: एक बूंद सहसा उछली

निबंध: आत्मनेपद

संस्मरण: स्मृति लेखा

संदर्भ ग्रंथ-

1. अज्ञेय संचयिता- आचार्य नंदकिशोर, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन प्रथम 2001, मुद्रण
2. अज्ञेय की कविता: परंपरा और प्रयोग- रमेश ऋषिकल, दिल्ली, वाणी प्रकाशन, प्रथम 2008, मुद्रण
3. अज्ञेय काव्य का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन- डॉ फुलवंत कौर, दिल्ली, पराग प्रकाशन, प्रथम, 1992, मुद्रण
4. नया काव्य नये मूल्य- ललित शुक्ल, दिल्ली, दी मैकलिन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड के लिए प्रकाशित, वार्ष्णेय प्रिंटिंग प्रेस, प्रथम 1975, मुद्रण
5. अज्ञेय (आलोचना)- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, संस्करण 1994, मुद्रण
6. हिंदी के साहित्य-निर्माता 'अज्ञेय'- डॉ. प्रभाकर माचवे, दिल्ली, राजपाल एंड संस, संस्करण 1991, मुद्रण
7. आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर, अज्ञेय और मुक्तिबोध- विनोद कुमार मिश्र, दिल्ली, संदर्भ पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, प्रथम 1909, मुद्रण
8. कवियों के कवि: अज्ञेय- डॉ. शंकर वसंत मुद्गल, कानपुर, क्वालिटी बुक्स पब्लिशर्स एंड डिसटीब्यूटर्स, प्रथम 2002, मुद्रण
9. प्रयोगवाद के संदर्भ में: अज्ञेय और उनका काव्य- डॉ. सदानंद सिंह, वाराणसी, कल्याणदास एंड ब्रदर्स, प्रथम 1983, मुद्रण
10. अज्ञेय के काव्य में प्रतिबिंब और मिश्रण- डॉ. सी. एस. राजन,, इलाहाबाद, 1997, मुद्रण
11. नई कविता: उद्भव और विकास- डॉ. रामवचन राय, पटना, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, प्रथम 1974, मुद्रण

PAPER : HIN 404 (B) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

जैनेंद्र

उपन्यास: त्यागपत्र, कल्याणी, जयवर्धन

कहानी: खेल, पाजेब, पत्नी, जाह्नवी, नीलम देश की राजकन्या, अपना अपना भाग्य, तमाशा, प्रणय देश, अभागे लोग, गदर के बाद।

निबंध: साहित्य का श्रेय और प्रेय, बाजार का जादू, कितनी जमीन

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास- प्रो. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी उपन्यास: उद्भव और उत्कर्ष- डॉ सत्यपाल बुध, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी उपन्यास : सृजन और सिद्धांत- नरेंद्र कोहली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का आधुनिक परिदृश्य- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय
6. हिंदी उपन्यास का समाज शास्त्रीय विवेचन- डॉ. चंडी प्रसाद जोशी, अनुसंधान प्रकाशन
7. हिंदी उपन्यास विवेचन- डॉ. सत्येंद्र, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
8. हिंदी उपन्यास- डॉ. सुषमा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. हिंदी उपन्यास में कथा शिल्प का विकास- प्रताप नारायण टंडन, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ
10. जैनेंद्र और उनके उपन्यास- रघुनाथ शरण झालानी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
11. जैनेंद्र के विचार संपादित- डॉ. प्रभाकर माचवे, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
12. जैनेंद्र के उपन्यास- परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. जैनेंद्र की आवाज संपादक- अशोक बाजपेई, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
14. जैनेंद्र के उपन्यासों का शिल्प- ओम प्रकाश शर्मा, पांडुलिपि प्रकाशन
15. जैनेंद्र और मृदुला गर्ग के उपन्यासों में चित्रित नर-नारी संबंध- डॉ. सत्या जैन, शारदा प्रकाशन, नई दिल्ली
16. जैनेंद्र के उपन्यासों का मनोविज्ञानपरक शैली तात्विक अध्ययन- डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
17. जैनेंद्र के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन- डॉ. देवराज उपाध्याय, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
18. जैनेंद्र के उपन्यासों में नारी- डॉ. सावित्री मठपाल, सावित्री साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
19. जैनेंद्र व्यक्ति कथाकार और चिंतक- बाँके बिहारी भटनागर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
20. जैनेंद्र के उपन्यास और कला- विजय कुलश्रेष्ठ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
21. जैनेंद्र के उपन्यास सुनीता गुप्ता अनुराग प्रकाशन दिल्ली

PAPER : HIN 404 (C) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

यशपाल

उपन्यास: झूठा सच (दोनों भाग), दिव्या

कहानियाँ: अखबार में नाम, आदमी का बच्चा, करवा का व्रत, फूलों का कुर्ता, मक्रील, सच बोलने की भूल, कुत्ते की पूँछ, दुःख का अधिकार, तुमने क्यों कहा था, मैं सुंदर हूँ, धर्मयुद्ध।

आत्मकथा: सिंहावलोकन

कथेत्तर साहित्य:

निबंध: चक्कर, न्याय का संघर्ष, बात-बात में

यात्रा-संस्मरण: राह बीती, लोहे की दीवारों के दोनों ओर

संदर्भ सूची-

1. यशपाल के पत्र-1977, वाणी प्रकाशन, 2003

2. क्रांतिकारी यशपाल: एक समर्पित व्यक्तित्व, 1979, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3. यशपाल की कहानियाँ: कथ्य और शिल्प (चंद्रभानु सीताराम सोनवणे) पंचशील प्रकाशन, जयपुर

4. यशपाल के निबंध- यशपाल, लोकभारती प्रकाशन

5. यशपाल का उपन्यास साहित्य

6. यशपाल के कथा-साहित्य में सामाजिक चेतना, सरोज बजाज ऋषभचरण जैन, नई दिल्ली

PAPER : HIN 404 (D) (Optional/Elective Course)

Credits Points 5 **Total Marks - 50**

शिवप्रसाद सिंह

उपन्यास: अलग-अलग वैतरणी, नीला चाँद, गली आगे मुड़ती है।

कहानी: कर्मनाशा की हार, पोशाक की आत्मा, मुर्गे ने बाँग दी, दादी माँ, अंधकूप, गंगा- तुलसी, पापजीवी, नन्हों, हीरों की खोज, मंजिल और मौत

निबंध: जेहि मन पवन न संचरै, लोकतंत्र की मृग मरीचिका

नाटक: घाटियाँ गूँजती हैं।

आलोचना: आधुनिक परिवेश और नवलेखन, आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद

जीवनी: उत्तरयोगी

संदर्भ सूची-

1. शिवप्रसाद सिंह- अरुणेश नीरन (सं०) नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, प्रथम सं० 1994
2. शिवप्रसाद सिंह का कथासाहित्य- सत्यदेव त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम सं० .1988
3. शिवप्रसाद सिंह का परवर्ती कथा- सत्यदेव त्रिपाठी, साहित्य, अमन प्रकाशन, कानपुर, सं० 1998
4. 'स्रष्टा', जिसे मैं जनता और 'सृष्टि' जिसे मैं पहचानता हूँ !, शिवप्रसाद सिंह स्रष्टा और सृष्टि - शशिभूषण शीतांशु, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम सं० 1995
5. आधुनिक परिवेश और नव लेखन- शिवप्रसाद सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, सं० 1990
6. 'व्यक्तित्व और रचनाधर्मिता', शिवप्रसाद सिंह स्रष्टा और सृष्टि- कमलेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम सं० 1995
7. शिवप्रसाद सिंह के कथा- साहित्य में ग्रामीण जीवन का यथार्थ- डॉ. शशि कुमार शर्मा

PAPER: HIN 405 (Core Course)

Credits Points 5 **Total Marks – 50**

Project- 40
Viva-voce- 10

Project Work
अनुनियोजित कार्य

लिखित **अधिनिबंध** निम्नलिखित **विषय-क्षेत्र** पर केन्द्रित होगा। अधिनिबंध की शब्द सीमा लगभग **5000 (पाँच हजार)** निर्धारित है। इस पत्र के अंतर्गत मौखिक परीक्षा भी होगी।

विषय क्षेत्र :-

क) हिन्दी काव्य
ख) हिन्दी कथा-साहित्य (कहानी और उपन्यास)
ग) हिन्दी कथेतर साहित्य (जैसे निबंध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृतांत, डायरी आदि)
घ) साहित्य का समाजशास्त्र
ङ) साहित्य और विचारधारा
च) तुलनात्मक अध्ययन
छ) भारतीय साहित्य